UTSAV FOUNDATION

HINDI CURRICULUM 2025- 2026

Level :- KG-JR/Nursery.

_____ Marks: 80

तर्कसंगत-:

भाषा के ज्ञान के बिना समाज में गतिशीलता संभव नहीं है। समाज और देश के विकास के लिए यह गतिशीलता अनिवार्य है अतः भाषा का ज्ञान भी अनिवार्य है । हमारे देश में ज्ञान की पुष्टि से जनसंख्या के अनेक स्तर है। इसलिए भाषा जान के भी अनेक स्तर है। एक बड़ा समूह ऐसा है जो अनुभवी तो बहुत है. लेकिन वहां आषा व्यापार में उतना सक्षम नहीं है। यदि ऐसे लोग आषा जान के क्षेत्र में कुशल हो जाए तो, अपने अमृत अनुभव को भाषा से जोड़कर अपनी चितन क्षमता का विकास कर पाएंगे, और उससे व्यवहार में लाकर देश के विकास में सहायक होंगे। सुनना, बोलना, पढ़ना, लिखना भाषा के महत्वपूर्ण कौशल है। दशकों के संदर्भ में पढ़ने लिखने पर कुछ अधिक बल दिया जाता है। इन बातों को ध्यान में रखते हुए संस्थान ने ऐसी पाठ्य सामग्री को चुना है, जिसके आधार पर शिक्षार्थी सुनने और बोलने का कौशल तो विकसित करेगी ही इनमें अधिक पढ़ने और लिखने में कुशल होंगे।

लक्ष्यः शुरुआत में एक शिक्षक अपने बच्चों को हिंदी सिखाने के लिए आषा की सबसे छोटी का इकाई वर्ण और ध्वनि से शुरु करता है। इसके आधार पर ही इसके आधार पर ही एक शिक्षक अपने बच्चों बच्चों में सुनने बोलने पढ़ने लिखने की कौशल ता को विकसित कर सकता है। भाषा के सही क्रम को इस पाठ्यक्रम / CURRICULUM में स्थान दिया गया है। अन्य कक्षाओं के तहत नए शब्दों से परिचित होकर उनके अर्थ जानना विचारों की गहराई को समझना व्यवहारिक व्याकरण भाषा का सही प्रयोग को भी इस पाठ्यक्रम में स्थान दिया गया है।

पूर्व अपेक्षाएं :

इस पाठ्यक्रम में प्रवेश से पूर्व शिक्षार्थी से अपेक्षा की जाती है कि वह अपने आसपास की आम बोलचाल की हिंदी को बोलता और समझता हो। बोलचाल में आने वाले हिंदी शब्द और सरल वाक्य को लिख पाता हूं। समाचार चर्चा और आदि सुनकर समझ पाता हो। पूर्व कक्षा में बच्चों ने वर्णमाला और मात्राओं को पढ़ा हो।

* सीखने के परिणाम / Learning Outcomes-:

- इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के बाद शिक्षार्थियों में निम्नलिखित दक्षता एं विकसित हो सकेंगी |
- सुनी हुई बात को समझ कर उसे अपनी भाषा में व्यक्त कर सकेंगे।
- सही उच्चारण करते हुए अपनी बात कह सकेंगे।
- सरल कविताओं कहानियों को ध्यान से सुन सकेंगे तथा सुनील कहानियों एवं मनोरंजक किस उसे अपने अनुभव को जोड़कर उसे अपने अंदाज में सुना सकेंगे।
- सुनी हुई सुनी हुई बात से संबंधित प्रश्न पूछ सकेंगे कहानी कविता को आरोह अवरोह के साथ सो ना सकेंगे।
- सड़कों पर लिखे संकेत हेडिंग सूचना पट्टों को पढ़कर समझ सकेंगे।
- छोटे-छोटे वाक्यों को एक दूसरे से जोड़कर पढ़ सकेंगे।
- लिखते समय वर्णन शब्दों के बीच उचित दूरी का ध्यान रखेंगे वर्णों और मात्राओं की पहचान और प्रयोग कर सकेंगे।
- नजदीकी परिवेश को देखकर या उसके बारे में सुनकर छोटे छोटे छोटे वाक्य में अपनी प्रतिक्रिया लिख सकेंगे।
- मौखिक और लिखित विषय वस्तु के मुख्य भाव को समझने का प्रयास कर सकेंगे।
- पाठ को पढ़ने या सुनने के बाद पाठ में आई घटनाओं का स्मरण उससे संबंधित जिज्ञासा और संवेदनात्मक दृष्टिकोण विकसित करने का प्रयास कर सकेंगे।

व्याकरण :

- संज्ञा
- क्रिया
- विशेषण
- सर्वनाम

पाठ विवरणः

- **स्वर**
- **वर्णमाला**
- **मात्राएं**
- **फलों के नाम**
- **दिनों के नाम**
- **महीनों के नाम**
- **शिष्टाचार**
- **अच्छी आदतें**
- **आकार**
- **क्रिया**
- **फलों के नाम**
- **सब्जियों के नाम**
- **रंगों के नाम**

SR.NO.	***Lesson***	***Study Time***	***Marks 80***
1.	• ***स्वर***	***10hours***	**10**
2.	• ***अ से ज्ञ तक वर्णमाला*** • ***फलों के नाम*** • **सर्वनाम**	***30hours***	**20**
3.	• ***शिष्टाचार*** • ***आकार*** • ***क्रिया***	***20hours***	**10**
4.	• **रंगों के नाम**	***10hours***	**10**

5.	• कहानियां • सब्जियों के नाम • विशेषण	*20hours*	10
6.	• *दिनों के नाम*	*20hours*	10
7.	• *महीनों के नाम* • संज्ञा	*20 hours*	10
	Total hours	***130***	80

* सीखने के मुख्य परिणाम (Key Outcomes of Learning)

अ से ज्ञ तक वर्णमाला

परिणाम (Outcomes):

- **हिन्दी वर्णमाला को सीखकर भाषा की मूलभूत समझ विकसित होगी।**
- **छात्रों को सही उच्चारण और लेखन में मदद मिलेगी।**
- **शब्द निर्माण की क्षमता बढ़ेगी।**
- **भाषा के विकास में सहायक होगा।**

---

2. फलों के नाम

परिणाम:

- **छात्रों को विभिन्न फलों के नाम जानने में मदद मिलेगी।**
- **पोषण और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ेगी।**
- **हिन्दी शब्दावली का विस्तार होगा।**
- **बच्चों में प्रकृति और आहार से जुड़ाव बढ़ेगा।**

---

3. सर्वनाम

परिणाम:

- **भाषा को अधिक स्पष्ट और प्रभावी बनाने में मदद मिलेगी।**
- **वाक्य संरचना (Sentence Structure) बेहतर होगी।**
- **संज्ञा (Noun) के स्थान पर सर्वनाम का उपयोग कर भाषा को सरल बनाया जा सकेगा।**
- **बातचीत और लेखन में दोहराव कम होगा।**

---

4. शिष्टाचार

परिणाम:

- **बच्चों और छात्रों में अच्छे संस्कार विकसित होंगे।**
- **सामाजिक व्यवहार और नैतिकता की समझ विकसित होगी।**
- **समाज में सम्मानजनक संबंध बनाने की क्षमता बढ़ेगी।**
- **विनम्रता, दया और सहिष्णुता जैसी मूल्यों को अपनाने में मदद मिलेगी।**

---

5. आकार

परिणाम:

- **गणित, विज्ञान और कला में समझ विकसित होगी।**
- **ज्यामितीय आकृतियों को पहचानने और समझने में मदद मिलेगी।**
- **रोजमर्रा की चीजों को आकार के अनुसार पहचानने की क्षमता विकसित होगी।**
- **बच्चों में रचनात्मकता और चित्रकारी कौशल बढ़ेगा।**

---

6. क्रिया

परिणाम:

- **भाषा में गति और क्रियाशीलता को समझने में मदद मिलेगी।**
- **सही वाक्य निर्माण करने की क्षमता विकसित होगी।**
- **हिन्दी व्याकरण के महत्वपूर्ण हिस्सों (काल, वाच्य आदि) को सीखने में मदद मिलेगी।**
- **लेखन और बोलने की दक्षता बढ़ेगी।**

---

7. रंगों के नाम

परिणाम:

- बच्चों को रंगों की पहचान करने में सहायता मिलेगी।
- कला और चित्रकारी में रुचि विकसित होगी।
- प्रकृति और चीजों के प्रति जागरूकता बढ़ेगी।
- वर्णनात्मक भाषा कौशल में सुधार होगा।

---

8. कहानियां

परिणाम:

- नैतिक शिक्षा और जीवन मूल्य सिखाने में मदद मिलेगी।
- कल्पनाशक्ति और रचनात्मकता बढ़ेगी।
- भाषा, शब्दावली और पढ़ने की आदत में सुधार होगा।
- बच्चों और वयस्कों में धैर्य और समझ विकसित होगी।

---

9. सब्जियों के नाम

परिणाम:

- बच्चों को सब्जियों के नाम और उनके लाभ जानने में मदद मिलेगी।
- संतुलित आहार और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ेगी।
- किसान और कृषि के महत्व को समझने में मदद मिलेगी।
- हिन्दी भाषा की शब्दावली मजबूत होगी।

---

10. विशेषण

परिणाम:

- भाषा को अधिक अभिव्यंजक और रोचक बनाने में मदद मिलेगी।
- वाक्यों में संज्ञा और सर्वनाम का वर्णन करने की क्षमता विकसित होगी।
- लेखन और बोलने की शैली में सुधार होगा।
- भावनाओं और गुणों को प्रभावी ढंग से व्यक्त करने में सहायता मिलेगी।

---

11. दिनों के नाम

परिणाम:

- **दिनचर्या और समय प्रबंधन में मदद मिलेगी।**
- **हिन्दी और अंग्रेजी कैलेंडर की समझ विकसित होगी।**
- **स्कूल और कार्यालय में दिन पहचानने में आसानी होगी।**
- **धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व को समझने में सहायता मिलेगी।**

---

12. महीनों के नाम

परिणाम:

- **हिन्दी कैलेंडर और अंग्रेजी कैलेंडर में अंतर समझने में मदद मिलेगी।**
- **मौसम और त्योहारों के बारे में ज्ञान बढ़ेगा।**
- **तारीखों और महत्वपूर्ण घटनाओं को सही ढंग से पहचानने में सहायता मिलेगी।**
- **कृषि और पारंपरिक पर्वों की समझ विकसित होगी।**

---

13. संज्ञा

परिणाम:

- **भाषा को व्यवस्थित और स्पष्ट रूप से व्यक्त करने की क्षमता विकसित होगी।**
- **संज्ञा के प्रकार (व्यक्तिवाचक, जातिवाचक, भाववाचक आदि) को समझने में मदद मिलेगी।**
- **लेखन और संवाद में संज्ञाओं का सही उपयोग करने की दक्षता बढ़ेगी।**
- **व्याकरण और साहित्य की गहरी समझ विकसित होगी।**